ग्रामीण परिवारों को अब तक एक लाख 48 हजार पट्टे वितरित

ड्रोन के माध्यम से 35 हजार 916 गांवों का सर्वेक्षण कार्य भी पूरा हुआ

जयपुर, 15 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने महिला, युवा, मजदूर और किसानों के कल्याण के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इसी क्रम में राज्य सरकार भूमि स्वामित्व के अधिकार को सुनिश्चित करते हुए स्वामित्व योजना के अन्तर्गत प्रदेश के ग्रामीणों को पट्टे वितरित कर रही है।

राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में राज्य के 2 लाख पात्र ग्रामीण परिवारों को नए स्वामित्व पट्टे वितरित करने की घोषणा की थी, जिसकी पालना में अब तक लगभग 1 लाख 48 हजार 492 पट्टे वितरित किए जा चुके हैं। राज्य सरकार सुनिश्चित कर रही है कि सभी पात्र परिवारों को जल्द ही स्वामित्व कार्ड प्रदान किए जाएं।

योजना के अन्तर्गत, ड्रोन सर्वेक्षण तकनीक के माध्यम से अब तक 35 हजार 916 गांवों में सर्वेक्षण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। वहीं, स्वामित्व कार्ड वितरण एवं सर्वेक्षण कार्यों की सतत् निगरानी मुख्यमंत्री द्वारा की जा रही है।

स्वामित्व योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण संपत्तियों का सर्वेक्षण एवं डिजिटलीकरण तथा विवाद रहित संपत्ति स्वामित्व सुनिश्चित करने के साथ ही, संपत्ति को आर्थिक साधन के रूप में उपयोग में लाना तथा पारदर्शी प्रशासनिक प्रणाली स्थापित करना भी है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2021 में पूरे देश में शुरू की गई स्वामित्व योजना केन्द्रीय पंचायती राज मंत्रालय, राज्य राजस्व विभाग, राज्य पंचायती राज विभाग और भारतीय सर्वेक्षण विभाग के प्रयासों से व्यापक रूप से क्रियान्वित की जा रही है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा घोषित स्वामित्व योजना का मुख्य उद्देश्य संपत्तियों का सर्वेक्षण व डिजिटलीकरण तथा विवाद रहित संपत्ति स्वामित्व सुनिश्चित करना है।**

पाक व अफगानिस्तान में सीज़ फायर

काबुल/ इस्लामाबाद, 15 अक्टूबर। एकदूसरे के खून के प्यासे बने पाकिस्तान और अफगान तालिबान 48 घंटे के संघर्षविराम पर राजी हो गए हैं। पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के मुताबिक, ये संघर्षविराम बुधवार शाम 6 बजे से शुरू हो गया। इससे पहले, दोनों की लड़ाई सीमा पर सैन्य ठिकानों पर हमले से आगे बढ़ कर अंदरूनी इलाकों को निशाना बनाने तक पहुंच गई थी। पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान के कई रिहाइशी इलाकों पर हमले किए और काबुल व कंधार में एयरस्ट्राइक कर दी।

- **पिछले हफ्ते से चल रही भारी गोलाबारी के बाद 48 घंटे की शांति रहने की संभावना है।**

ये जंग पिछले हफ्ते उस समय तेज हो गई थी, जब पाकिस्तान ने काबुल में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के कैंपों को निशाना बनाते हुए सीमा पार से हवाई हमले किए थे। पाकिस्तान अफगान तालिबान पर टीटीपी आतंकवादियों को शरण देने का आरोप लगा रहा है, जो 2021 से सैकड़ों पाकिस्तानी सैनिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार हैं।

अंता उपचुनाव में जनता सरकार को आईना दिखायेगी- पायलट

पायलट ने टोंक में रनिंग ट्रैक पर सिंथेटिक फ्लोरिंग निर्माण का लोकार्पण किया

टोंक, 15 अक्टूबर (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं टोंक विधायक सचिन पायलट आज टोंक के दौरे पर रहे, जहां उन्होंने रनिंग ट्रैक पर सिंथेटिंक पी.यू. फ्लोरिंग निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर मीडिया के साथियों से बात करते हुए पायलट ने कहा कि यह ध्यान देने वाली बात है कि अंता में उपचुनाव क्यों हो रहा हैं। माननीय उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय ने वहां के विधायक को इस काबिल नहीं समझा कि वे इस पर पद रह सकें और उनकी सदस्यता रद्द कर दी।

- **उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर इस प्रकार का आधुनिक रनिंग ट्रैक बहुत कम जगह देखने को मिलता है।**

उन्होंने कहा कि अंता उपचुनाव में जनता कांग्रेस प्रत्याशी को विजयी बनाकर सरकार को आईना दिखाने का काम करेगी।

लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुए, पायलट ने कहा कि मुझे बहुत खुशी है कि हमने टोंक शहर और नौजवानों के लिए जो सपना देखा था, आज वो साकार हुआ है। क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मल्टीपरपज इंडोर स्टेडियम और रनिंग ट्रैक की सौगात मिली है, जिसका लाभ उठाकर वे देश-विदेश में टोंक का नाम रोशन करेंगे।

उन्होंने कहा कि जिले एवं प्रदेश में अनेक जगह देखा गया है कि अनेक बच्चे एवं नौजवान नशे की लत में पड़ जाते है। नशे की लत ऐसी गंभीर समस्या है, जिसका हम सभी को मिलकर मुकाबला करना पड़ेगा। इसी को ध्यान में रखते हुए हमने मल्टीपरपज इंडोर स्टेडियम, रनिंग ट्रैक का आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया है, ताकि नौजवान अपनी ऊर्जा का सदुपयोग कर सकें।

कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट ने बुधवार को टोंक में रनिंग ट्रैक पर सिंथेटिंक पी.यू. फ्लोरिंग निर्माण कार्य का लोकार्पण किया।

ब्रिक्स ट्रंप की अनिद्रा का ...

- **ट्रंप जितनी धमकियां देते हैं उतना ही ब्रिक्स के घटक और अन्य देश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में डॉलर का एकाधिकार खत्म करना चाहते हैं।**
- **ट्रंप ने यह भी दंभपूर्वक कहा कि जैसे ही उन्होंने टैरिफ लगाने की धमकियां दीं ब्रिक्स की सदस्यता घटने लगी।**
- **उनका यह कथन पूर्णतया असत्य और काल्पनिक है। ब्रिक्स की सदस्य संख्या तो और बढ़ी है, तथा कई नए उभरते देशों ने सदस्यता लेने की इच्छा जाहिर की है।**
- **ब्रिक्स की सफलता से आशंकित ट्रंप व अमेरिका दोनों असुरक्षा की भावना से ग्रस्त हो रहे हैं, और यही ट्रंप की अनिद्रा का कारण है।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आत्मविश्वासी महाशक्ति को दुनिया को बार-बार अपनी ताकत याद दिलाने की ज़रूरत नहीं होती। लेकिन ट्रंप द्वारा टैरिफ की धमकियों को बार-बार दोहराना नीति कम और प्रभाव में कमी से चिंतित एक नेता की चेतावनी ज्यादा लगती है। ट्रंप ने बार-बार कहा है कि, "मैंने ब्रिक्स में शामिल होने की इच्छा रखने वाले हर देश से कहा है कि, कोई बात नहीं, लेकिन हम आपके देश पर टैरिफ लगाएंगे।"

उनके बयान ऐसे समय आए हैं, जब ब्रिक्स देशों ने भी अंधाधुंध बढ़ते टैरिफ़ और व्यापार को हथियार बनाने की अमेरिकी नीति पर नाराज़गी जताई है। एक तरह से ट्रंप की यह झल्लाहट ब्रिक्स के आरोपों को ही सही ठहराती है।

ब्रिक्स की सदस्यता को अमेरिका के प्रति शत्रुता से जोड़कर, वे पश्चिम की आर्थिक दादागिरी के उसी आख्यान को पुष्ट करते हैं, जिसका ब्रिक्स विरोध करना चाहता है। विडंबना साफ है: धमकियों के जरिए ब्रिक्स को कमजोर करने की कोशिश में ट्रंप इसके अस्तित्व के औचित्य को मजबूत कर रहे हैं।

अमेरिका के भीतर घरेलू दशकों के लिए यह बयानबाज़ी ट्रंप की राजनीतिक छवि को मज़बूत करती है, एक ऐसे नेता के रुप में, जो अमेरिकी नौकरियों, डॉलर और राष्ट्रीय गर्व की रक्षा करता है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह उनकी गहरी असुरक्षा को दिखाती है, कि अब एकध्रुवीय (यूनीपोलर) आर्थिक व्यवस्था ढह रही है। डॉलर की "वैश्विक बादशाहत" पर उनका बार-बार जोर देना बीते गौरव के प्रति एक तरह की लालसा जैसा लगता है।

ट्रंप का बार-बार यह दोहराना केवल बयानबाजी का अतिरेक नहीं है। यह बदलते वैश्विक आर्थिक समीकरणों को लेकर उनके भीतर की बेचैनी का संकेत है, जहाँ अब आर्थिक ताकत बंट रही है और डॉलर का एकछत्र शासन कमज़ोर हो रहा है। उनकी यह रक्षात्मक भाषा यह स्पष्ट करती है कि वे ब्रिक्स को केवल एक प्रतिस्पर्धी समूह नहीं, बल्कि उस नए वैश्विक संतुलन के प्रतीक के रूप में देखते हैं, जो उन्हें और शायद अमेरिका को बेहद असहज बनाता है।

जदयू ने भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पैदा कर दिया है। उनका मानना है कि उनकी वरिष्ठ पार्टनर भाजपा गठबंधन में उनकी भूमिका को कम करने की कोशिश कर रही है।

जेडीयू के सूत्रों ने यह भी संकेत दिया कि चुनाव परिणामों के बाद सभी विकल्प खुले रहेंगे। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, चुनाव बाद कोई भी फैसला बिहार के हित और पार्टी की दीर्घकालिक मजबूती को ध्यान में रखकर लिया जाएगा, जिससे यह संकेत मिलता है कि अगर भाजपा के साथ रिश्ते और बिगड़ते हैं तो नए गठबंधन की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। इस बीच, दिल्ली और पटना में एनडीए के शीर्ष नेता "वेट एण्ड वॉय" की नीति अपनाए हुए हैं, तथा उम्मीद कर रहे हैं कि चुनाव नतीजों तक स्थिति संभल जाएगी। लेकिन जेडीयू की यह ताज़ा चुनौती बताती है कि गठबंधन अब आपसी अविश्वास और नेतृत्व को लेकर अनिश्चितता के माहौल में बिहार चुनाव में उतर रहा है। यह उस गठबंधन के लिए असहज स्थिति है, जो लगभग दो दशकों से राज्य पर शासन कर रहा है।

वायु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करने के लिए किया जाता है। यह प्रक्रिया विमानों, रॉकेटों या जमीनी मशीनों के माध्यम से की जा सकती है।

आईआईटी कानपुर द्वारा विकसित इस मिश्रण में सिल्वर आयोडाइड नैनोकण, आयोडीन युक्त नमक और चट्टानी नमक (रॉक सॉल्ट) शामिल हैं।

मृत्युदंड के लिए ज़हर के इंजेक्शन का विकल्प सरकार ने ठुकराया

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर। देश के सर्वोच्च न्यायालय सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर मृत्युदंड की सजा के तरीके को बदलने की अपील की गई है, लेकिन केन्द्र सरकार इसे बदलने के लिए तैयार नहीं है। सुनवाई के दौरान यह सुझाव दिया गया कि दोषी को फांसी या जहर का इंजेक्शन में से किसी एक को चुनने का विकल्प दिया जा सकता है। हालांकि, केन्द्र ने हलफनामे दायर कर कहा कि ऐसा करना "व्यावहारिक रूप से संभव नहीं है।" इस पर अदालत ने नाराजगी जताई और कहा कि केन्द्र समय के साथ विकसित होने को तैयार नहीं दिख रहा है।

केन्द्र की ओर से वरिष्ठ वकील सोनिया माथुर ने दलील दी कि यह मामला नीतिगत निर्णय से जुड़ा है।

सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस विक्रम नाथ की बेंच ने मौखिक रूप से कहा कि समस्या यह है कि सरकार बदलने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बहुत पुरानी प्रक्रिया है, समय के साथ चीज़ें बदल गई हैं। इस याचिका में मांग की गई है कि फांसी की जगह मौत की सजा जहर का इंजेक्शन, शूटिंग, इलेक्ट्रोक्यूशन या गैस चैंबर से दी जा सकती है, इन तरीकों से सजायाफ्ता की मौत कुछ ही मिनटों में हो जाती है। यह जनहित याचिका वकील ऋषि मल्होत्रा ने दायर की है। इसमें फांसी को अत्यधिक पीड़ादायक, अमानवीय और क्रूर बताया गया है। याचिकाकर्ता ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 354(5) के तहत "फांसी देकर मृत्युदंड देने को असंवैधानिक" घोषित करने की मांग की है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि सम्मानजनक मृत्यु का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में मान्यता प्राप्त होना चाहिए। याचिकाकर्ता के अनुसार, फांसी की प्रक्रिया में दोषी की मृत्यु घोषित करने में लगभग 40 मिनट लगते हैं, जबकि शूटिंग या जहर के इंजेक्शन के जरिए यह प्रक्रिया 5 मिनट में पूरी हो जाती है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने नाराज़गी जताई और मौखिक टिप्पणी की सरकार बदलने को तैयार नहीं है।**

वांगचुक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

देरी को हिरासत को चुनौती देने का आधार नहीं बनाया जाना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने 6 अक्टूबर को केन्द्र सरकार, केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख और जोधपुर सेंट्रल जेल के पुलिस अधीक्षक से जवाब मांगा था, जब अदालत ने अंगमो की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें वांगचुक की (एनएसए) के तहत की गई गिरफ्तारी को चुनौती दी गई थी और उनकी रिहाई की मांग की गई थी। केन्द्र तथा अन्य को नोटिस जारी करते हुए, दो न्यायाधीशों की पीठ ने संबंधित सरकारों से विस्तृत जवाब मांगे थे।

जयपुर सेशन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पुलिस बल भी तैनात रहा। समय के अभाव का जिक्र कर पुलिस ने बार - बार लोगों से दूर रहने की अपील की पुलिस उपायुक्त ने बताया कि यह इमारत लगभग सात मंजिल की है, इसलिए पूरे परिसर की तलाशी में समय लगेगा। सुरक्षा के लिहाज से कोर्ट में मौजूद सभी लोगों को बार-बार परिसर से दूर रहने के लिए कहा गया। पुलिस इस मामले को गंभीरता से लेते हुए बारीकी से जांच करने में जुटी है। इसी के साथ साइबर टीम भी आए हुए मेल की आईपी एड्रेस तलाशने में जुटी है।

जैसलमेर बस अग्निकांड में मृतकों की संख्या 21 हुई

अभी चार मरीज वेंटिलेटर पर, मृत यात्रियों के परिजनों की डीएनए जांच की सैंपलिंग शुरु

जोधपुर, 15अक्टूबर (कासं)। जैसलमेर में हुए निजी स्लीपर बस अग्निकांड हादसे में मृतकों का आंकड़ा बढ़कर 21 हो गया है। हादसे में झुलसे दस साल के यूनुस ने भी आज सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अनुसार, अब भी चार मरीज वेंटिलेटर पर हैं। इस बीच हादसे में मृत लोगों के परिजनों की डीएनए जांच के लिए महात्मा गांधी अस्पताल में सैंपलिंग शुरू हो गई है। अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह भाटी ने बताया कि 24 घंटे के बाद सभी की रिपोर्ट आ जाएगी। महात्मा गांधी अस्पताल में 10 शव लाए गए, एम्स की मोर्चरी में रखे गए। वहां भी सैंपलिंग हो रही है।

सैंपल कलेक्शन की प्रक्रिया को लेकर नाराजगी पर हॉस्पिटल अधीक्षक ने सफाई भी दी। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में वेरिफिकेशन में थोड़ा समय लगता है, जिससे कि कोई गलती न हो। उन्होंने बताया अधिकतम 24 घंटे में शवों की पहचान की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इससे पहले डीएनए की सैंपलिंग शुरू होने से पहले परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा कि हमें प्रशासन और पुलिस ने फोन कर सुबह 6 बजे महात्मा गांधी अस्पताल बुलाया, लेकिन यहां घंटों इंतजार के बाद भी डॉक्टर नहीं आए। हादसे में जान गंवाने वाले एक मृतक के भाई ने कहा कि हम सुबह से परेशान हो रहे हैं।

महात्मा गांधी अस्पताल में हो रही डीएनए सैंपलिंग की व्यवस्था देखने के लिए जिला कलेक्टर गौरव अग्रवाल पहुंचे। उन्होंने बताया कि एक मामला ऐसा है, जिसमें मृतक की बूढ़ी मां फलोदी जिले में रहती है। वह यहां नहीं आ सकती। इसके लिए फलोदी जिला प्रशासन से संपर्क कर उनका सैंपल कलेक्ट करवाया जा रहा है। सभी घायलों के इलाज के लिए डॉक्टरों की स्पेशल टीम लगाई गई है। मंगलवार रात करीब 12 बजे से आज सुबह 5 बजे तक 19 शवों से कुल 21 बोन सैम्पल लिए गए और परिजनों के डीएनए सैम्पल लिए गए।

बुधवार सुबह तक करीब 10 परिजनों के सैम्पल लिए गए। जिन्हें जोधपुर लैब भेज दिया गया, ताकि डीएनए मैचिंग के बाद शव परिजनों को सौंपे जा सकें। अस्पताल अधीक्षक डॉ फतेहसिंह भाटी ने बताया कि यहां भर्ती मरीजों में आठ मरीजों की हालत बहुत गंभीर है, जिनको लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता। वर्तमान में चार मरीज ऐसे हैं, जिनको हम जल्द छुट्टी देकर घर भेज सकते हैं।

हादसे के बाद, मंगलवार देर रात पहली एफआईआर दर्ज हुई है। हादसे के शिकार पत्रकार राजेन्द्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में केस दर्ज कराया है। बता दें कि जैसलमेर जोधपुर हाईवे पर हुए भीषण बस हादसे में 19 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि जोधपुर में उपचार के दौरान 79 वर्षीय हुसैन पुत्र अब्दुल रहमान निवासी जवांध ने दम तोड़ दिया। वहीं, बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस की भी उपचार के दौरान मौत हो गई। हादसे में अब तक कुल 21 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के बाद प्रशासन की ओर से डीएनए सैम्पलिंग की प्रक्रिया तेजी से चलाई जा रही है।

- **हादसे का शिकार हुए पत्रकार राजेन्द्र चौहान के भाई ने बस मालिक व ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर के सदर थाने में एफआईआर दर्ज कराई।**

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908